एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार

- **सम्मानित व्यक्ति** - प्रोफेसर बी.आर.कंबोज (हरियाणा)
- **पुरस्कार प्रदाता** - कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत
- **स्थान** - मध्यप्रदेश के ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में
- **कार्यक्रम विशेष** - 'वन हेल्थ वन वर्ल्ड' पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
- **उपलब्धी** - प्रो. कंबोज को कृषि क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया है।
- प्रो. कंबोज, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति और प्रोफेसर है।

एम.एस.स्वामीनाथन पुरस्कार के बारे में :

- **प्रदान करने वाली संस्था** - ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज
- **शुरुआत** - 2004
- **क्षेत्र** - भारत में खाद्य सुरक्षा और स्थिरता सहित कृषि के क्षेत्र में

- **प्रथम पुरस्कार** - डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा, डॉ. नॉर्मन ई. बोरलॉग को प्रदान किया गया।
- **तेरहवां पुरस्कार 19 अगस्त, 2023** - डॉ. सुरिंदर (सुरी) एम. सहगल (एसएम सहगल फाउंडेशन (भारत) और सहगल फाउंडेशन यूएसए के संस्थापक) को मिला था।

एम.एस.स्वामीनाथन -

- **पूरा नाम** - मनकोम्बु संबासिवन स्वामीनाथन
- **जन्म** - 07 अगस्त 1925, (कुंभकोणम, तमिलनाडु)
- **मृत्यु** - 28 सितंबर 2023
- **क्षेत्र** - कृषि वैज्ञानिक
- **प्रसिद्धि** - उच्च उत्पादन वाले गेहूं की प्रजाति का विकास (भारत में हरित क्रांति के जनक)

पुरस्कार प्राप्त -

1. 1987 में प्रथम विश्व खाद्य पुरस्कार विजेता।
2. पद्म श्री (1967)
3. पद्म भूषण (1972)
4. पद्म विभूषण (1982)
5. रेमन मैग्सेस पुरस्कार (1971)
6. अल्बर्ट आंईस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार (1986)

हिम तेंदुआ

- हाल ही में मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान ने हिम तेंदुए को अपना राष्ट्रीय प्रतीक घोषित किया।
- **वैज्ञानिक नाम -** पैंथेरा अनकिया
- यह बिल्ली की सबसे बड़ी प्रजाति है।
- **आवास -** हिम तेंदुए उत्तरी और मध्य एशिया के विशाल ऊँचे पर्वतीय (हिमालय क्षेत्र) में रहते है।
- **IUCN रेड लिस्ट -** सुभेद्य (Vulnerable)
- वन्यजीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) परिशिष्ट-1
- भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, अनुसूची-1
- वन्यजीवों की प्रवासी प्रजातियों का संरक्षण (CMS) परिशिष्ट-1
- **अन्य बिन्दु –** विश्व में हिम तेंदुए की सर्वाधिक आबादी चीन में है।
- हिम तेंदुए को लद्दाख और हिमाचल प्रदेश का राजकीय पशु घोषित किया गया है।
- **निवास स्थल देश -** अफगानिस्तान, भूटान, चीन, भारत, कजाकिस्तन, किर्गिज गणराज्य,
- मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, रुस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान।

मुडियेट्टू नृत्य

- हाल ही में, मध्य केरल के भद्रकाली मंदिरों में मुडियेट्टू नामक अनुष्ठानिक नृत्य नाटक का प्रदर्शन किया गया।
- मुडियेट्टू केरल का एक अनुष्ठान नृत्य नाटक है जो देवी काली और राक्षस दारिका के बीच लड़ाई की पौराणिक कहानी पर आधारित है।
- यह एक सामुदायिक अनुष्ठान है जिसमें पूरा गाँव भाग लेता है।
- यह परंपरा भगवती अथवा भद्रकाली उपासना की पद्धति का हिस्सा है जो आमतौर पर फसल कटाई के बाद फरवरी और मई के बीच भगवती मंदिरों में आयोजित किया जाता है।
- मरार और कुरुप्पु समुदायों के सदस्य इसका प्रदर्शन करते है, वे अपने चेहरे पर रंग लगाते हैं तथा काफी बड़ी एवं रंगीन पोशाक व टोपी पहनते हैं।
- इसमें शिव, नारद, दारिका, काली, दानवेंद्र, कोइचादर और कूली जैसे विभिन्न पात्र रुप शामिल हैं।

- मुडियेट्टू समुदाय के पारंपरिक मूल्यों, नैतिकता, नैतिक कोड और सौंदर्य मानदंडों को अगली पीढ़ी तक प्रसारित करने के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थल के रूप में कार्य करता है, जिससे वर्तमान समय में इसकी निरंतरता और प्रासंगिकता सुनिश्चित होती है।
- मुडियेट्टू को वर्ष 2010 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया था और इससे पूर्व कुटियाट्टम को विरासत सूची में शामिल किया गया था।